“पेडल फॉर ए चेंज” के “नॉर्थ ईस्ट साइक्लिंग अवार्ड्स” कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का सम्बोधन

दिनांक 4 नवंबर 2023, शनिवार	**समय : 6.00 PM**	**स्थान : रत्नामौली पैलेस होटल**

- असम के माननीय मंत्री श्री परिमल शुक्लबैद्य जी,
- नेडफी के चैयरमैन एवं प्रबंध निदेशक
  श्री पी.वी.एस.एल.एल. मूर्ति जी,
- प्रतिदिन टाइम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी
  श्री ऋषि बरुवा जी
- उपस्थित अन्य अतिथिगण
- मीडिया के हमारे मित्रों,
- देवियों और सज्जनों,

नमस्कार,

सर्वप्रथम नॉर्थ ईस्ट साइक्लिंग अवार्ड्स के सभी पुरस्कृत प्रतिभागियों को बधाई!

नॉर्थ ईस्ट साइक्लिंग अवार्ड्स के पहले संस्करण में आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। मुझे इस समारोह में आमंत्रित करने के लिए “पैडल फॉर चेंज” और कार्यक्रम की आयोजन समिति को हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि गुवाहाटी की संस्था "पैडल फॉर चेंज" जो कि एक गैर-सरकारी संस्था है, ने बदलते जलवायु के प्रभावों को कम करने के उद्देश्य से साइकलिंग, पैदल चलना और लोक परिवहन का अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा देने का बीड़ा उठाया है।

आज का समारोह ऐसे सभी व्यक्तियों और संस्थाओं को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया है, जिन्होंने उत्तर पूर्व में साइक्लिंग को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

बढ़ते प्रदूषण और सड़कों पर निजी वाहनों की कतार ना केवल हमारा बहुमूल्य समय नष्ट कर रही है, बल्कि इससे आम जन के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक परिणाम भी किसी से छिपे नहीं है। इस परिपेक्ष में पैडल फॉर चेंज संस्था की सोच, प्रतिबद्धता और अथक परिश्रम की मैं प्रशंसा करता हूं।

मैं मानता हूं कि यह अनोखा सम्मान समारोह लोगों को परिवहन के स्थायी साधन के रूप में साइकिल को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह पुरस्कार उन व्यक्तियों और संस्थानों के योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त करता है, जिन्होंने साइक्लिंग के उद्देश्य को आगे बढ़ाया है।

ऐसा करके, हम न केवल इन विजेताओं की उल्लेखनीय उपलब्धियों का सम्मान करते हैं, बल्कि अन्य लोगों को भी साइकिलिंग के अभियान में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं।

मित्रों,

साइकिल चलाने के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। यह एक जीवनशैली है, एक आंदोलन है, जिसमें हमारे शहरों को बदलने, हमारे स्वास्थ्य में सुधार करने और जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने की क्षमता है।

साइकिल, भारत की एक बड़ी आबादी, खास तौर पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को दैनिक कामकाज तक पहुंचने में मदद करती है। नागरिकों को 'स्थानीय और छोटी दूरियों के लिए साइकिल का इस्तेमाल' करना चाहिए।

जब कोरोना काल में पाबंदियों में ढील दी गई और स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान, दफ्तर खुलने लगे तो लोगों को एक बार फिर साइकिल की याद आई। आज यूट्यूब पर ऐसे वीडियो की बड़ी तादाद नजर आती है, जिनमें युवा साइकिल चलाने को प्रोत्साहन दे रहे हैं। वे यह भलीभांति समझते हैं कि विदेशों से पेट्रोल-डीजल आयात करना हमारी अर्थव्यवस्था पर कितना बड़ा भार है। पर्यावरण संबंधी चुनौतियां अलग हैं।

शहरों में लोगों को प्रदूषण और ट्रैफिक जाम और सड़क दुर्घटना जैसी समस्याओं से जूझना पड़ता है। मैं समझता हूं कि इन समस्याओं का सबसे सरल और प्रभावी समाधान साइकिल है। हमें साइकिल को रोजमर्रा के आवागमन के साधन के रूप में बढ़ावा देना चाहिए। सरकारी कार्यालयों, कॉरपोरेट्स और शैक्षणिक संस्थान सप्ताह में एक या दो बार साइकिल से आने-जाने, विशेष रूप से पांच किमी तक की दूरी के लिए, की पहल करके महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

वर्तमान समय में भारत सरकार ने साइकिल चलाने वाली मौजूदा आबादी को इससे जोड़े रखने और अन्य लोगों के बीच साइकिल के इस्तेंमाल को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस संदर्भ में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए अभियान "मिशन लाइफ" अतिमहत्वपूर्ण है।

"मिशन लाइफ" अभियान भारत के नेतृत्व वाला जन अभियान है, जो पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक कार्यवाही को बढ़ावा देता है। इस अभियान की शुरुआत करते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा था कि जलवायु परिवर्तन केवल सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं, इसमें व्यक्ति और समुदाय की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

मैं समझता हूं कि साइकिल के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई अन्य चीजों पर भी अधिक ध्यान देने की जरुरत है। इसके लिए बुनियादी ढांचे में अधिक निवेश करना होगा, अधिक साइकिल लेन बनाना होगा, यातायात कानूनों को और प्रभावी रूप से लागू करना होगा।

हम ऐसे कदमों से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ज़रूरी हरित गतिशीलता को भी बढ़ावा मिलेगा। इसमें इलेक्टिक साइकिल भी बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। सरकारी, गैर सरकारी संगठनों और व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करने से भारत साइकिल अनुकूल देश बन सकता है।

मित्रों,

आज, हम इस भव्य समारोह में न केवल यहां पुरस्कृत लोगों एवं संस्थानों की उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए साइकिल को चुनने की उनकी अदम्य भावना का भी सम्मान करने के लिए उपस्थित हुए हैं।

मैं उन उद्यमियों की भी सराहना करता हूं, जिन्होंने साइकिल के कारोबार के माध्यम से हमारी अर्थव्यवस्था और पर्यावरण दोनों में योगदान दिया है।

मैं पुनः सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई देता हूं। आपके समर्पण और जुनून को न केवल स्वीकार किया गया है, बल्कि आपने हम सभी के लिए एक उदाहरण स्थापित किया गया है। आप अगली पीढ़ी के लिए रोल मॉडल हैं और आपने एक हरित, स्वस्थ भविष्य की दिशा में पथ प्रशस्त किया है।

मैं सरकार, निजी क्षेत्र और सभी हितधारकों से आग्रह करता हूं कि वे सभी एकजुट होकर साइकिलिंग पहल का समर्थन करें और साइकिल चलाने के बुनियादी ढांचे में निवेश करें। साइकिल को परिवहन का साधन बनाने के आंदोलन का समर्थन करके, हम रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं, अपनी स्वास्थ्य देखभाल की लागत को भी कम कर सकते हैं। हम सब मिलकर भावी पीढ़ी के लिए अपनी धरती को स्वस्थ्य, प्रदूषण मुक्त और सुंदर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि तकनीकी आधारित आवागमन के साधनों की मौजूदा दौड़ में दो टायरों वाली साधारण साइकिलें एक बार फिर से जनता के आवागमन और पर्यावरण के संरक्षण का प्रमुख साधन बनकर उभरेंगी।

अंत में मैं इस समारोह की सफलता की कामना करता हूं और “पैडल फॉर चेंज” को स्वास्थ और पर्यावरण की रक्षा के लिए साइकिल को लोकप्रिय बनाने के उनके अभियान के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

धन्यवाद

जय हिन्द।